This question paper contains 8 printed pages]

आपका अनुक्रमांक .....

5349

B.A. (Programme)/II/III A

HINDI LANGUAGE (B)—Paper II

हिन्दी भाषा (ख)—प्रश्न पत्र II

(प्रवेश वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिए)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी :— प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक, NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं । किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8+8=16

(क) कम हो रहा है मिलना-जुलना

कम हो रही है लोगों की जान-पहचान

सुख-दुख में भी पहले की तरह इकट्ठे नहीं होते लोग

तार से आ जाती है बधाई और शोक-संदेश

चाचा को जानता था सारा शहर

पिता को भी चार मोहल्ले के लोग जानते थे

मुझे नहीं जानता मेरा पड़ोसी मेरे नाम से

अब सिर्फ़ एलबम में रहते हैं

परिवार के सारे लोग एक साथ —

टूटने की इस प्रक्रिया में क्या-क्या टूटा है

कोई नहीं सोचता

कोई ताला देखकर मेरे घर से लौट गया है ।

i) प्रस्तुत काव्यांश किस कविता से लिया गया है और उसके रचनाकार कौन हैं ?

(*ii*) दूरसंचार के माध्यमों ने मिलने-जुलने को कैसे कम किया है ?

(*iii*) "अब सिर्फ़ एलबम में रहते हैं परिवार के सारे लोग एक साथ" — आशय स्पष्ट कीजिए ।

(*iv*) एकल परिवारों के आ जाने से कौन-कौनसे मूल्य टूटे हैं ?

(ख) मुक्त-मंडी ने पुस्तक को चिथड़ा पुकारने वाले मेरे पूर्वजों का यह अनुमान सही कर दिखाया है कि पोथी और पुस्तक में उतना ही अन्तर है, जितना कि जातीय स्मृति में बस जाने वाले मिथक-पुराण और महीने के महीने रद्दी में बिक जाने वाले अखबार में । आधुनिक समाजशास्त्रियों ने छापेखाने के क्रांतिकारी महत्त्व को रेखांकित करते हुए इस ओर हमारा ध्यान दिलाया था कि उसी ने पुस्तकों के माध्यम से ज्ञान-विज्ञान को सर्वसुलभ बनाकर समाज-सुधार, लोकतंत्र और वैज्ञानिक-औद्योगिक युग का द्वार खोला है । उनका ध्यान बस इस ओर है कि मंडी की निगाहों में हर चीज़ का

एक भाव जरूर होता है मगर मोल किसी चीज का नहीं होता । मुक्त-मंडी में पुस्तक भी एक पण्य का दर्जा रखने के लिए अभिशप्त थी ।

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? उसके लेखक का नाम भी लिखिए ।

(ii) पुस्तक और पोथी में क्या अंतर बताया गया है ?

(iii) "मंडी की निगाह में हर चीज का एक भाव जरूर होता है मगर मोल किसी चीज का नहीं होता" — आशय स्पष्ट कीजिए ।

(iv) रेखांकित, सर्वसुलभ का अर्थ लिखते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।

(ग) उनके लिए मनोरंजन के स्रोतों तक जाना मनोरंजन की इच्छा के कारण नहीं जिंदगी का एक जरूरी रिवाज़ होता है । कई लोग संगीत आंतरिक आकुलता के कारण नहीं सुनते बल्कि वे संगीत सुनने का प्रदर्शन करते हैं । म्यूजिक कंसर्ट में जाना उनके लिए संगीत प्रेम नहीं

आवश्यक कर्मकांड है । वैसे देखा जाए तो मनोरंजन महत्त्वपूर्ण नियामत है । इसका अभ्युदय मनुष्य के सभ्य होने की शुरुआत पर हुआ और सभ्यता के विकसित होने के क्रम में ही इसका प्रसार भी हुआ । मनोरंजन की अवधारणा आधुनिकता से सम्बद्ध है । जो समाज जितना आधुनिक होगा, उसमें मनोरंजन का महत्त्व उतना ही ज्यादा होगा ।

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? उसके लेखक का नाम भी लिखिए ।

(*ii*) किन कारणों से मनोरंजन कर्मकांड में बदल जाता है ?

(*iii*) "जो समाज जितना आधुनिक होगा, उसमें मनोरंजन का महत्त्व उतना ही ज्यादा होगा" — आशय स्पष्ट कीजिए ।

(*iv*) इच्छा, आन्तरिक, सभ्य, प्रेम — विलोम शब्द लिखिए ।

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 9

(*i*) समाज में 'इत्यादि' की क्या स्थिति है ? (इत्यादि)

(*ii*) प्रसाद और प्रेमचन्द के लेखन में क्या अंतर है ? (वे दिन)

(*iii*) प्राचीन काल की स्त्री के जीवन का एक निश्चित लक्ष्य क्या था ? (घर बाहर)

(*iv*) दिल्ली के कॉफ़ी हाउस को लेखक ने 'सराय' की संज्ञा क्यों दी है ? (कॉफ़ी हाउस)

(*v*) "खूबसूरती पर सतही चीजों के दाग न लगाओ " — क्यों कहा गया ? (दुनिया की सबसे हसीन औरत)

3. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 12

(*i*) भाषा और बोली में अंतर ।

(*ii*) देवनागरी लिपि का नामकरण ।

(*iii*) राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी ।

4. किसी **एक** विषय का पल्लवन कीजिए : 6

(*i*) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।

(*ii*) **बूँद-बूँद** सों घट भरे ।

(*iii*) पर उपदेश कुशल बहुतेरे ।

5. निम्नलिखित गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक देते हुए संक्षेपण कीजिए : 6

अपरिचित मुसाफ़िर या परिचित मित्र, सगे सम्बंधी या पति-पत्नी और पिता-पुत्र से आत्मीय; जब दो भिन्न विचारों के लोग आपस में बातें करते हैं और एक दूसरे से सहमत नहीं हो पाते, तो एक दूसरे को बेईमान मान बैठते हैं और इस प्रकार सुलझाने वाली बातचीत, उलझाने वाली कड़ुवाहट में बदल जाती है, पर यदि हम सब दूसरे के दृष्टिकोण को समझने का प्रयत्न करें, तो बड़े-बड़े विवाद यों ही शांत हो सकते हैं । दूसरे के दृष्टिकोण को समझने का प्रयत्न एक ऐसी प्रवृत्ति है, जो वातावरण को कोमलता से भर देती है । यह कोमलता समन्वय के लिए जगह बनाती है और इस प्रकार बीच की दूरी कम होकर एकता का जन्म होता है । यही दूरी इतनी अधिक और मौलिक हो कि एकता असंभव रहे, तब भी यह दूरी इतनी कम ज़रूर रह जाती है कि बीच में एक हलका मतभेद ही रह जाए और मन-भेद तक बात न बढ़े । दूसरों को हमेशा उसकी आँख से देखिए और सावधान रहिए उस खतरे से, जो दूरबीन को उलटी करके देखने से पैदा होता है । यहीं यह भी कि सत्य वही और उतना ही नहीं है कि जो जितना आप देख पाये ।

6. किन्हीं **तीन** मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 6

(*i*) सिर माथे लगाना ।

(*ii*) जलवा होना ।

(*iii*) पैर जमाना ।

(*iv*) हक मारना ।

(*v*) भागीरथ प्रयत्न करना ।

7. (क) शब्द-शक्ति से क्या अभिप्राय है ? उसके प्रमुख भेदों का नाम लिखिए । 4

(ख) 'चुसा हुआ वर्तमान' – लक्ष्यार्थ स्पष्ट कीजिए । 4

(ग) 'नए चलन ने बहुत सहूलियत बख्शी है चोरों को' – व्यंग्यार्थ बताइए । 4

8. (क) समांतर कोश की विशेषताएँ लिखते हुए किसी **एक** समांतर कोश का नाम भी लिखिए । 4

(ख) शब्दकोश में प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 4

समय, सृष्टि, संचित, सुअवसर, रात्रि, रीति, प्रभा, मौसम, अर्चना, अंकित, शुभ, परीक्षा, प्रतीक्षा, चाँद, साँझ, ज्योति ।